



सत्यमेव जयते

**UPPSC/UPPCS
Exam Paper**

यूपीपीएससी - यूपीपीसीएस

मुख्य परीक्षा 2020

वैकल्पिक विषय

प्रश्न पत्र

“राजनीतिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध

प्रथम प्रश्न पत्र”

परीक्षा तिथि: 25th जनवरी 2020



No. of Printed Pages : 4

5048211

Serial No.

PSL - 21/20-Paper-I

राजनीति विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (प्रश्न-पत्र - I) POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (PAPER - I)

[अधिकतम अंक : 200

[Maximum Marks : 200

निर्धारित समय : तीन घंटे]

Time Allowed : Three Hours]

विशेष अनुदेश :

- (i) दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिये गये हैं, जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
- (ii) प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- (iii) प्रत्येक प्रश्न के अंत में निर्धारित अंक अंकित हैं।
- (iv) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

- Specific Instructions :
- (i) There are total eight questions in two Sections printed in both Hindi and English.
 - (ii) Answer any five questions, selecting atleast two questions from each Section.
 - (iii) Marks are given against each question.
 - (iv) All questions carry equal marks.

खण्ड - अ/SECTION - A

1. (a) राजनीति विज्ञान के परम्परागत एवं आधुनिक दृष्टिकोण और उनकी उपयोगिता विशेष रूप से वर्तमान समय में, स्पष्ट कीजिये। 15
Clarify the traditional and modern approaches of political science and their utility specially in present times.
- (b) राज्य की उत्पत्ति के विकासवादी सिद्धान्त की वर्तमान समय में, उसके महत्त्व एवं प्रामाणिकता सहित, विवेचना कीजिये। 15
Explain the evolutionary theory of the origin of State, along with its importance and authenticity in present times.
- (c) राज्य के कार्यों के व्यक्तिवादी एवं समाजवादी सिद्धान्तों की उदाहरणों सहित तुलना कीजिये। 10
Compare the individualistic and socialistic theories of the functions of the State with examples.



2. (a) संसदीय एवं अध्यक्षतात्मक शासन की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये। भारतवर्ष में संसदीय शासन को क्यों पसंद किया गया ? मूल्यांकन कीजिये। 15
Elucidate the main characteristics of the Parliamentary and Presidential governments.
Why was the Parliamentary government preferred in India ? Evaluate it.
- (b) कार्यपालिका के विभिन्न प्रकारों को वर्तमान समय की राजव्यवस्थाओं से उदाहरण देकर, विश्लेषित कीजिये। 15
Analyse the various types of Executives by giving examples from the political systems of the present times.
- (c) स्वतंत्रता के सिद्धान्त और उनकी उपयोगिता का आलोचनात्मक दृष्टि से परीक्षण कीजिये। 10
Critically examine the theories and utilities of liberty.
3. (a) मनु का राज्य सिद्धान्त और राजनीतिक चिन्तन में उनके योगदान की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। 15
Critically explain the Theory of State of Manu and his contribution to the political thought.
- (b) एम.एन. राय का नवमानवतावाद और उसकी समकालीन प्रासंगिकता की विवेचना कीजिये। 10
Explain the New Humanism of M. N. Roy and its contemporary relevance.
- (c) गान्धीजी के सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह की अवधारणाओं को उनकी उपयोगिता के आधार पर स्पष्ट कीजिये। 15
Clarify the theories of truth, non-violence and satyagrah of Gandhiji on the basis of their utility.
4. (a) प्लेटो द्वारा अपनी पुस्तक 'रिपब्लिक' तथा 'द लाज़' में प्रस्तुत राज्य की अवधारणा का परीक्षण कीजिये तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिये। 15
Examine the theory of State presented by Plato in his Books 'Republic' and 'The Laws' and clarify its relevance in present times.
- (b) 'राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है' - मूल्यांकन कीजिये। 15
'The State is the march of God on the earth' - Evaluate.
- (c) रूसो की 'सामान्य इच्छा' की व्याख्या कीजिये और वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिये उसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिये। 10
Explain the 'General Will' of Rousseau and clarify its relevance to the present Democratic systems.



खण्ड - ब/SECTION - B

- (a) भारतवर्ष में राष्ट्रवाद के उदय के कौन-से कारण थे; तथा उनके सन्दर्भ में 'भारतीय राष्ट्रवाद एक ऐतिहासिक परम्परा का पुनर्जीवन, एक राष्ट्र की आत्मा की मुक्ति थी' - मूल्यांकन कीजिये।
Which were the causes of the rise of Nationalism in India; and in their context, 'the Indian Nationalism had been the revival of an historical tradition, the liberation of the soul of a Nation' - Evaluate. 15
- (b) असहयोग आन्दोलन तथा सविनय अवज्ञा आन्दोलनों की तुलना कीजिये तथा उनके प्रभावों एवं महत्व का मूल्यांकन कीजिये।
Compare the non-co-operative movement and civil dis-obedience movement and evaluate their effects and importance. 15
- (c) अधिकार एवं कर्तव्य दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं।' भारत के संविधान में वर्णित मूल अधिकार और मूल कर्तव्यों के सन्दर्भ में इसका मूल्यांकन कीजिये।
'The Rights and Duties are the two sides of the same coin.' Evaluate it in the context of the Fundamental Rights and Fundamental Duties explained in the Constitution of India. 10
- (a) भारतवर्ष में वित्तीय व्यवस्था पर संसद के नियंत्रण का आलोचनात्मक दृष्टि से विश्लेषण कीजिये।
Make a critical analysis of the Parliamentary control over financial system in India. 15
- (b) भारतवर्ष में न्यायिक पुनर्विलोकन एवं संसदीय संप्रभुता के मध्य समझौता है' - मूल्यांकन कीजिये।
'There is a compromise between the Judicial Review and the Parliamentary Supremacy in India' - Evaluate. 15
- (c) हमारे भारत के संविधान में राष्ट्रपति 'एक नाम मात्र का अध्यक्ष नहीं हैं'। इसके सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का विश्लेषण कीजिये।
The President in our Constitution of India is 'not only figure head'. Analyse its theoretical and practical aspects. 10
- 7(a) भारत में दबाव समूहों के प्रकार कौन-से हैं ? भारतीय राजव्यवस्था में उनकी भूमिका की आलोचनात्मक दृष्टि से व्याख्या कीजिये।
Which are the types of pressure groups in India ? Explain critically, their role in Indian Political System. 1
- (b) भारतवर्ष की पंचायत राज व्यवस्था में क्षेत्र समितियों के गठन, कार्यपद्धति एवं योगदान का आलोचनात्मक दृष्टि से परीक्षण कीजिये।
Critically examine the organisation, working and the contribution of Kshetra Samities in the Panchayati Raj System of India. 1

- (c) भारतवर्ष में केन्द्र तथा राज्यों के प्रशासनिक संबंधों को स्पष्ट कीजिये और जम्मू तथा कश्मीर से उनके लिये उदाहरण दीजिये।
Clarify the administrative relations of the Centre and States in India and give examples from Jammu and Kashmir for them. 10
8. (a) भारत में मुख्यमंत्री के अधिकार, कार्य और राज्यपाल से उसके संबंधों का मूल्यांकन कीजिये।
Evaluate the power of Chief Minister, functions and his relations with the Governor in India. 15
- (b) भारत की राजनीति में भाषा, क्षेत्र एवं सम्प्रदाय की भूमिका की आलोचनात्मक दृष्टि से विवेचना कीजिये।
Discuss critically the role of language, region and community in Indian Politics. 15
- (c) भारतवर्ष में निर्वाचन आयोग के गठन तथा उसकी कार्यपद्धति के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का विश्लेषण कीजिये।
Analyse the organisation of the Election Commission and the theoretical and practical aspects of its functioning in India. 10